www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

SB NEWS

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 'ऑपरेशन सिंदूर' एक सार्थक पहल और...
3 लंबे समय से कलेक्ट्रेट में जमे बाबुओं को हटाने की...
4 पंजाब के कृषि मंत्री ने खरीफ की फसलों संबंधी...

वर्ष: 9 | अंक: 194 | दिल्ली, शुक्रवार, 9 मई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

■ संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति ने नौकरी के लिए जमीन 'घोटाले' में लालू प्रसाद के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच किए जा रहे कथित भूमि के बदले नौकरी घोटाले में राजद प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि मुर्मू ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 197(1) और बीएनएसएस, 2023 की धारा 218 के तहत अनिवार्य अनुमति प्रदान की है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले साल अगस्त में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, उनके बेटे और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत धन शोधन मामले में आरोप पत्र दायर किया था। यह मामला सीबीआई की प्राथमिकी से उत्पन्न हुआ है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि 2004-2009 के दौरान भारतीय रेलवे में ग्रुप डी के कर्मचारियों की नियुक्ति में तत्कालीन केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद (76) भ्रष्टाचार में लिप्त थे। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के अनुसार, उम्मीदवारों या उनके परिवार के सदस्यों को रेलवे में नौकरी दिलाने के बदले में कथित तौर पर रिश्वत के तौर पर जमीन हस्तांतरित करने के लिए कहा गया था। ये जमीनें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों के नाम पर पंजीकृत थी। सीबीआई ने इस मामले में तीन आरोपपत्र भी दाखिल किए हैं।

जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में दो दिन के लिए स्कूल बंद

जम्मू-कश्मीर (एजेन्सी)। निदेशक स्कूल शिक्षा कश्मीर ने घोषणा की है कि बारामुल्ला, कुपवाड़ा, उप-मंडल (गुरेज) के सभी सरकारी और निजी स्कूल और श्रीनगर और अवंतीपोरा हवाई अड्डे के निकट आने वाले स्कूल 9 और 10 मई 2025 को दो दिनों के लिए बंद रहेंगे। बढ़ते सीमा तनाव के बीच छात्रों की सुरक्षा और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए एहतियाती उपाय के रूप में यह कदम उठाया गया है। आधिकारिक नोटिस में लिखा है कि 'बारामुल्ला, कुपवाड़ा, उप-मंडल (गुरेज) के सभी सरकारी और निजी स्कूल और श्रीनगर और अवंतीपोरा हवाई अड्डे के निकट आने वाले स्कूल एहतियाती उपाय के रूप में 9 और 10 मई 2025 को बंद रहेंगे। इसके अलावा, भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण पंजाब के स्कूल भी अगले दो दिनों के लिए बंद कर दिए गए हैं। हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय परीक्षा निकायों (ओ-लेवल और ए-लेवल) द्वारा/की ओर से निर्धारित परीक्षाएं निर्धारित अनुसार जारी रहेंगी। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद तनाव बढ़ गया है, जिसमें प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर भी शामिल है। ये हवाई हमले पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में किए गए थे, जिसमें 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर में 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण, सीमावर्ती राज्यों ने स्कूलों में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण उपाय लागू किए हैं। अधिकारियों ने निजी और सरकारी दोनों स्कूलों में कई दिनों की छुट्टियां घोषित कर दी हैं। इस बंद का असर पंजाब, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान और पश्चिम बंगाल राज्यों पर पड़ता है।

भारत-पाक तनाव के मद्देनजर कर्नाटक सरकार ने एहतियाती कदम उठाए : मुख्यमंत्री सिद्धरमैया

कर्नाटक (एजेन्सी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार ने पूरे राज्य में अलर्ट जारी कर दिया है और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाए हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन किया जा रहा है। सिद्धरमैया ने राज्य में बांधों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाए जाने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, हमने हर जगह अलर्ट जारी कर दिया है, क्योंकि कभी भी कुछ भी हो सकता है। हमने सतर्कता बरती है। उन्होंने कहा कि सभी स्थानों पर मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है और केंद्र द्वारा जारी निर्देशों का पालन किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि राज्य सरकार ने कर्नाटक में अभी भी मौजूद कुछ पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश भेजने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की है, मुख्यमंत्री ने कहा, लगभग सभी लोग चले गए हैं। मैसूर का एक परिवार अदालत चला गया है। शायद ऐसे ही मामलों में कुछ बचे होंगे, नहीं तो सभी चले गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में अभी भी कितने पाकिस्तानी नागरिक मौजूद हैं, इसकी सही संख्या के बारे में उनके पास जानकारी नहीं है।

लाहौर में एयर डिफेंस सिस्टम तबाह

'07-08 मई की रात को पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़, नल, फलौदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों को शामिल करने का प्रयास किया'

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच विदेश मंत्रालय एक महत्वपूर्ण मीडिया ब्रीफिंग किया। कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि 07 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर पर प्रेस वार्ता के दौरान, भारत ने अपनी प्रतिक्रिया को केंद्रित, मापा और गैर-एस्केलेटरी बताया था। यह विशेष रूप से उल्लेख किया गया था कि पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना नहीं बनाया गया था। यह भी दोहराया गया था कि भारत में सैन्य ठिकानों पर कोई भी हमला उचित जवाब को आमंत्रित करेगा।

07-08 मई 2025 की रात को, पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़, नल, फलौदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों को शामिल करने का प्रयास किया। इन्हें एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा निष्प्रभावी कर दिया गया। इन हमलों के

मलबे अब कई स्थानों से बरामद किए जा रहे हैं जो पाकिस्तानी हमलों को साबित करते हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में कई स्थानों पर एयर डिफेंस रडार और सिस्टम को निशाना बनाया। भारत की प्रतिक्रिया भी पाकिस्तान की ही तरह उसी तीव्रता से रही है। विश्वसनीय जानकारी के अनुसार लाहौर में एक एयर डिफेंस सिस्टम को निष्क्रिय कर दिया गया है।

विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामुल्ला, उरी, पुंछ, मेंढर और राजौरी सेक्टरों में मोर्टार और भारी कैलिबर आर्टिलरी का उपयोग करते हुए नियंत्रण रेखा पर अपनी अकारण गोलीबारी की तीव्रता बढ़ा दी है। पाकिस्तानी गोलीबारी के कारण 16 निर्दोष लोगों की जान चली गई है, जिनमें तीन महिलाएं और पांच बच्चे शामिल हैं। भारत को पाकिस्तान की ओर से मोर्टार और आर्टिलरी की गोलीबारी को रोकने के लिए जवाबी कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। भारतीय सशस्त्र बल गैर-वृद्धि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं, बशर्ते कि इसका पाकिस्तानी सेना द्वारा सम्मान किया जाए।

भारत द्वारा पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों पर हमले के बाद अमेरिका की यूनाइटेड एयरलाइंस और कोरियन एयर समेत कई एयरलाइनों की फ्लाइट्स डायवर्ट की गईं हैं या रद्द कर दी गई हैं। जबकि भारत में दर्जनभर एयरपोर्ट बंद कर दिए गए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार फ्लाइट्स ट्रैकिंग वेबसाइट्स की तस्वीरों में दिख रहा है कि हमले के बाद ओमान, यूएई और कुवैत के ऊपर से गुजरने वाली एयरलाइनों की लंबी कतार दिखाई दे रही है, जिससे हवाई क्षेत्र में भीड़भाड़ की संभावना बढ़ गई है।

भारत ने पहली बार एस-400 सुदर्शन चक्र का किया इस्तेमाल

(एजेंसी)

नई दिल्ली। भारत ने पहली बार एस 400 सुदर्शन चक्र का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान के मिसाइलों पर वार किया है। भारत पाकिस्तान के बीच में तनाव चरम पर है। उसमें पाकिस्तानी हमले को नाकाम करने के लिए भारत ने आखिरकार अपना एस 400 मिसाइल सिस्टम दाग दिया। भारत ने अपने एयर डिफेंस कैपेबिलिटी का उपयोग करते हुए पाकिस्तानी मिसाइल को हवा में ही इंटरसेप्ट कर दिया। भारत की वायु योद्धा शक्ति के आगे दुश्मन लाचार और नाकाम नजर आया। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान ने भारत के 15 शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की थी। जिसमें अवंतिपुरा, जम्मू, श्रीनगर, पठानकोट, अमृतसर के साथ लुधियाना, जलंधर, आदमपुर, बठिंडा, फलौदी, उत्तरादी और भुज जैसे इलाके थे।

उसके लिए पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया। लेकिन भारतीय सुरक्षा बलों के एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह से इन मिसाइलों को भेद दिया और इन मिसाइलों को मार कर गिरा

दिया। भारत ने पहली बार एस 400 का इस्तेमाल करके दुश्मन को बता दिया है कि हमसे लड़ोगे तो चकनाचूर हो जाओगे।

एस 400 की ताकत इतनी ज्यादा है कि वो 600 किलोमीटर की दूरी से ही टारगेट को पहचान लेता है। एक साथ 100 से 300 टारगेट को ट्रैक करता है। एस 400 फिट मिसाइलें एक साथ तीन दिशाओं में मिसाइल दाग कर दुश्मन को धूल चटाता है। ये हवा में उड़ते 36 टारगेट को एक साथ निशाना बनाता है। ये सिस्टम मिसाइल से लेकर ड्रोन तक के हमलों को नाकाम कर सकता है।

भारतीय वायुसेना, आर्मी ने पाकिस्तान को अपनी ताकत दिखाते हुए ऐसा जवाब दिया है कि जिसे आसिम मुनीर की सेना कभ भूल नहीं पाएगी। रात में पाकिस्तान के मिसाइल और ड्रोन हमलों को भारत ने नाकाम किया तो दूसरी तरफ भारत ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के शहरों को दहला दिया है।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ आ खड़ा हुआ ब्राजील

(एजेन्सी)।

ब्राजील। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हाल ही में हुई फोन कॉल में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के युद्ध में अपने देश के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। ब्राजील के राष्ट्रपति ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकवादी हमलों की निंदा की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भारत के प्रयासों की सराहना की, जो एक सैन्य अभियान था जिसे भारत सरकार ने क्षेत्र से आतंकवादी समूहों को खत्म करने के लिए शुरू किया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और भारत के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में लोगों की मौत पर

संवेदना व्यक्त की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ समर्थन और एकजुटता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति लूला को उनकी संवेदनाओं के लिए धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने भारत-ब्राजील द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत और पाकिस्तान के बीच काफी तनाव है। इस बीच विदेश मंत्रालय और सेना की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत द्वारा आतंकी ठिकानों पर किए गए लक्षित हमले के जवाब में पाकिस्तान ने 7-8 मई की रात को उत्तरी और पश्चिमी भारत में कुछ सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने की कोशिश की। इन हमलों को भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया। हमें जो मलबा मिला है, वह पाकिस्तानी हमलों का सबूत है।

सेना ने कहा कि पाकिस्तान बिना किसी वजह के नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर मोर्टार और तोपखाने से भारी गोलीबारी कर रहा है। पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर कुपवाड़ा, बारामूला, उरी, पुंछ, मेंढर और राजौरी सेक्टरों में मोर्टार और भारी कैलिबर तोपखाने का इस्तेमाल करके अपनी अकारण गोलीबारी की तीव्रता बढ़ा दी है। इसमें 16 लोगों की मौत हो गई। भारतीय सेना पाकिस्तान के इस हमले का मुंहतोड़ जवाब दे रही है।

दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर 90 से ज्यादा उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण गुरुवार को कई आगमन और प्रस्थान वाली उड़ानें रद्द कर दीं, हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया। कुल 90 उड़ानें रद्द की गईं, जिनमें 46 घरेलू प्रस्थान, 33 घरेलू आगमन, पांच अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान और छह अंतरराष्ट्रीय आगमन शामिल हैं। ये रद्दीकरण सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच निर्धारित थे। आईजीआई एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह घरेलू प्रस्थान के लिए तैयार 46 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जबकि घरेलू आगमन के लिए 33 उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं। एयरपोर्ट ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान के लिए पांच उड़ानें रद्द की गई हैं और अंतरराष्ट्रीय आगमन के लिए तैयार छह उड़ानें भी रद्द की गई हैं। बुधवार को, पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर सशस्त्र बलों द्वारा मिसाइल हमले किए जाने के मद्देनजर विदेशी वाहकों सहित विभिन्न एयरलाइनों द्वारा दिल्ली एयरपोर्ट से आने-जाने वाली 140 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई थीं।

पाकिस्तान को भारत से बचाओ-सांसद

(एजेंसी)

पाकिस्तान। पुरानी कहवात है कि नमक स्वाद अनुसार और हिमाकत औकात अनुसार ही अच्छी लगती है। पाकिस्तान ने वही हिमाकत 22 अप्रैल को बेगुनाह नागरिकों की हत्या करवा की और पहलगाम के रूप में भारत को न भूलने वाला जख्म दिया। भारत की तरफ से उसे दंडित भी किया गया। पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंक के ठिकानों को दोजख नसीब करवाई गई। लेकिन फिर भी पाकिस्तान की हेकड़ी कम नहीं हुई। सीमा पार से वो अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। लेकिन इन सब के बीच पाकिस्तान के नेताओं में खौफ का आलम भी नजर आ रहा है। भारत के

प्रतिकार वाले एक्शन का खौफ। पाकिस्तानी सांसद का एक बड़ा बयान सामने आ गया है। जहां एक तरफ पाकिस्तान धमकों से दहल रहा है तो वहां के राजनेता भी घबराए नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान की संसद में वहां से सांसद पाकिस्तानी फौज के जनरल से गुहार लगाते नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान की फौज में खुद मेजर के पद पर रहने वाले सांसद ने सदन में खड़े होकर कहा कि वे टूट चुके हैं। इसके साथ ही उन्होंने जनरल आसिम मुनीर से पाकिस्तान को भारत से बचाने की अपील भी की है।

भारतीय सशस्त्र बलों ने ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने की पाकिस्तानी सेना की कोशिशों को विफल कर दिया और जवाबी कार्रवाई में लाहौर में एक पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

'पाकिस्तान में बने सभी गाने, फिल्में, सीरीज, पॉडकास्ट की स्ट्रीमिंग बंद करें'

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने भारत में चल रहे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को नया आदेश जारी किया है। पाकिस्तान के साथ बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच सरकार ने सभी स्ट्रीमर्स से कहा है कि वे पाकिस्तानी कंटेंट का प्रसारण बंद करें। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा साझा किए गए एक नोटिस में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, भारत में संचालित सभी ओटीटी प्लेटफार्मों, मीडिया स्ट्रीमिंग प्लेटफार्मों और बिचौलियों को सलाह दी जाती है कि वे वेब-सीरीज, फिल्में, गाने, पॉडकास्ट और अन्य स्ट्रीमिंग मीडिया सामग्री को तत्काल प्रभाव से बंद कर दें, चाहे वह सदस्यता आधारित मॉडल पर उपलब्ध हो या अन्यथा, जिसका मूल पाकिस्तान में है।

यह फैसला भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के एक दिन बाद आया है, जिसमें 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले का बदला लिया गया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। ऑपरेशन सिंदूर के तहत, जो रात 1.04 बजे से 1.30 बजे तक चला, भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों

पर हमला किया। भारत और पाकिस्तान के बीच फिर से शुरू हुई दुश्मनी ने वित्तीय बाजारों को प्रभावित किया है, भारतीय रुपये पर नॉन-डिलीवरी फॉरवर्ड्स ने तेज कमजोरी का संकेत दिया है।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन के अनुसार, भारतीय हमलों के बाद एहतियाती कदम उठाते हुए पाकिस्तान ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। मनोरंजन की दुनिया पर भी इसका असर पड़ा है। भारत सरकार ने कई पाकिस्तानी हस्तियों के अकाउंट ब्लॉक कर दिए हैं। इनमें फवाद खान, माहिरा खान, हनिया आमिर, आतिफ असलम और अन्य शामिल हैं।

फवाद एक साल बाद अबीर गुलाल से बॉलीवुड में वापसी करने वाले थे, जिसमें उनके साथ वाणी कपूर भी थीं। फिल्म का भविष्य अब अनिश्चित है।

सीमा पर उत्पन्न तनाव के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन सजगता और सतर्कता से करें कार्यः भजनलाल शर्मा

एसबी संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीमा पर उत्पन्न हुई तनावपूर्ण परिस्थितियों के मद्देनजर प्रदेशभर, विशेषकर सीमावर्ती जिलों की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में आवश्यक मानव संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि आपातकालीन स्थिति में नागरिकों के लिए सेवाएं बाधित न हो और उन्हें हर तरह की सहायता त्वरित मिल सके। श्री शर्मा ने सभी राजकीय कार्मिकों की छुट्टियां निरस्त करने और उन्हें मुख्यालय पर उपस्थित रहने के संबंध में निर्देश भी दिए।

श्री शर्मा गुरूवार शाम को मुख्यमंत्री निवास पर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान बॉर्डर पर स्थित हमारा राज्य सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील है। ऐसे में राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक कदम उठाएं। आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएं। उन्होंने कहा कि ब्लैक आउट ड्रिल की

सख्ती से अनुपालना हो और किसी भी तरह की कोताही नहीं बरती जाए।

मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने प्रत्येक सीमावर्ती जिले के जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक और रेंज आईजी के साथ चर्चा कर वहां उत्पन्न परिस्थितियों के बारे में विस्तृत फीडबैक लिया। श्री शर्मा ने उन्हें सेना और केन्द्रीय एजेंसियों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित कर कार्य करने के लिए निर्देशित किया। सीमा पर उत्पन्न परिस्थितियों के संबंध में मुख्यमंत्री नियमित रूप से प्रतिदिन समीक्षा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने एसडीआरएफ की यूनिट्स को सीमावर्ती क्षेत्रों में भेजने के निर्देश दिए। साथ ही, श्री शर्मा ने श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर के लिए 5 करोड़ रूपए और फलौदी, जोधपुर एवं हनुमानगढ़ के लिए 2 करोड़ 50 लाख रुपए की अतिरिक्त वित्तीय सहायता जारी करने के निर्देश दिए जिससे ये जिले आपातकालीन स्थिति में आवश्यक उपकरण एवं सेवाएं नियोजित कर सकेंगे। वहीं उन्होंने सीमावर्ती जिलों में खाद्यान्न, चिकित्सा, पानी, बिजली, पुलिस एवं प्रशासनिक आदि सेवाओं से संबंधित रिक्त पदों को तुरंत भरने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सीमावर्ती जिलों में आरएसी और होमगार्ड की अतिरिक्त कंपनियां उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देशित किया। साथ ही, श्री शर्मा ने अतिरिक्त फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की सेवाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सालयों में पर्याप्त दवा और एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करें और ब्लड बैंकों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध रहें।

बैठक में मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक श्री यू.आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह श्री आनंद कुमार, महानिदेशक इंटेलिजेंस श्री संजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था श्री विशाल बंसल उपस्थित रहे।

'ऑपरेशन सिंदूर' का लक्ष्य कोई धर्म या देश नहीं बल्कि आतंकवाद था : मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत

(एजेन्सी)।

गोवा। भारत और पाकिस्तान के बीच हालात बेहद नाजुक बने हुए है। यह सब कुछ तब शुरू हुआ जब जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मासूम पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर पैंट उतरवाकर गोली मारी गयी और उनकी पत्नियों से कहा गया कि जाओ ये मोदी को बताओ... इस आतंकी हमले के बाद से ही पूरे देश में आक्रोश था। सभी बदला लेने की मांग कर रहे थे। भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार को पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी ढाँचे को निशाना बनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा और आतंकियों के अड्डों को ध्वस्त कर दिया गया। पूरे देश में लोग खुश हैं।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बृहस्पतिवार को कहा कि आपरेशन सिंदूर किसी देश या धर्म के खिलाफ नहीं था, बल्कि इसका लक्ष्य आतंकवाद था। सावंत ने कहा कि इस ऑपरेशन के जरिये भारत ने दिखा दिया है कि उसके पास आतंकवाद को खत्म करने की ताकत और इरादा है। भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा मुरीदके

शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमलों में 26 नागरिकों की मौत के दो हफ्ते बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत सैन्य हमले किए गए। सावंत ने संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे सशस्त्र बलों द्वारा चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर किसी देश या धर्म के खिलाफ नहीं था। उन्होंने कहा, पहलगाम में हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाने का दुस्साहस करने वाले आतंकवादी हमारे निशाने पर थे।

लक्ष्य आतंकवाद था। हमने पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए जघन्य कृत्य का बदला लिया। सावंत ने कहा कि पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों ने भारत द्वारा मारे गए आतंकवादियों के अंतिम संस्कार के दौरान उनके शवों को सलामी देकर इस विश्वास की पुष्टि की है कि वे आतंकवाद का समर्थन करते हैं।

सम्पादकीय

प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बना 'ऑपरेशन सिंदूर'

भारत ने 7 मई सुबह डेढ़ बजे पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त करते हुए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। भारत की यह एक सुनियोजित, सीमित और सटीक सैन्य कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट था, आतंकवाद को उसी की जमीन पर कुचलना। इस ऑपरेशन को सिंदूर नाम देना भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक सोच को दर्शाता है। सिंदूर एक ओर जहां भारतीय संस्कृति में शक्ति, सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है, वहीं इस संदर्भ में यह उन शहीदों के बलिदान की लालिमा भी है, जिनकी शहादत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की गई। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे। इस ऑपरेशनके जरिये भारत ने अपने नागरिकों को यह भरोसा भी दिलाया है कि देश की सुरक्षा महज कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि उसे धरातल पर भी लागू किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है, जो सीमा पार से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं। भारतीय वायुसेना ने इस ऑपरेशन के तहत अत्याधुनिक मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, कोटली, मुरीदके, बाघ और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की कुछ आतंक-प्रवण लोकेशनों पर हमलाकर पूरी दुनिया को यह दिखा दिया है कि आतंकवाद से निपटने के लिए उसे अब किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है और वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाने को तैयार है। इस ऑपरेशन की योजना और क्रियान्वयन अत्यंत गोपनीय और तकनीकी रूप से उन्नत स्तर पर हुई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 22 अप्रैल के हमले के बाद जिस तेजी से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों की पहचान की और सेना के साथ समन्वय किया, वह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की परिपक्वता का प्रमाण है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में स्पष्ट किया गया है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाना था, न कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों या नागरिक आबादी को। इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने कुल 24 मिसाइलें दागी, जिनमें से अधिकांश लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों पर सटीकता से गिरी। बताया जा रहा है कि इन हमलों में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है, जिनमें लश्कर और जैश के कई शीर्ष कमांडर भी शामिल हैं, जो भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान का स्थानीय मीडिया और प्रशासन पहले इस हमले को नकारते रहे, फिर अलग-अलग बयान देकर भ्रम फैलाने की कोशिश की। पाकिस्तानी सेना के आईएसपीआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि भारत ने 6 अलग-अलग स्थानों पर मिसाइलें दागी, जिनमें 8 नागरिकों की मौत हुई। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी पर दावा किया कि भारत ने अपने ही हवाई क्षेत्र से हमला किया और मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिरी। पाकिस्तान के दावे आपस में ही विरोधाभासी हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे न तो इस हमले के लिए तैयार थे और न ही उनके पास इसकी ठोस जानकारी है। वहीं, भारत ने इस ऑपरेशन के तुरंत बाद अमेरिका को इस कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता के विरुद्ध। भारतीय दूतावास ने अमेरिका में बयान जारी कर बताया कि भारत ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक, सैन्य या आर्थिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, केवल उन्हीं आतंकी शिविरों पर हमला किया गया, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे थे। इस ऑपरेशन के पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी निगरानी कर रहे थे। उन्होंने सेना को पूर्ण स्वतंत्रता दी थी और इस ऑपरेशन की बारीकियों पर लगातार नजर बनाए रखी। ऑपरेशन पूरा होने के बाद भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जस्टिस इज सर्व्ड यानी न्याय हो गया लिखा जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत माता की जय के नारे के साथ इस कार्रवाई को राष्ट्र के प्रति समर्पित किया। इस ऑपरेशन के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ना स्वाभाविक था। पाकिस्तान की ओर से फायरिंग और जवाबी बयानबाजी जारी रही। पाकिस्तान के मीडिया ने प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए यह दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत के 6 फाइटर जेट मार गिराए हैं, जिसमें 3 राफेल, 2 मिग-29 और 1 सुखोई शामिल हैं, साथ ही भारतीय सेना की 12वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड के मुख्यालय को नष्ट करने का झूठा दावा भी किया गया। हालांकि भारत द्वारा इन बेबुनियाद झूठे दावों को सिरे से खारिज कर दिया गया है। भारत का अगला कदम अब इस कार्रवाई को कूटनीतिक और रणनीतिक स्तर पर वैश्विक समर्थन में बदलना होगा।

जयंती

गोपाल कृष्ण गोखले

जन्म: 9 मई, 1866 ई., कोल्हापुर, महाराष्ट्र; मृत्यु: 19 फरवरी, 1915 ई.) अपने समय के अद्वितीय संसदविद और राष्ट्रसेवी थे। यह एक स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी, विचारक एवं सुधारक भी थे। 1857 ई. के स्वतंत्रता संग्राम के नौ वर्ष बाद गोखले का जन्म हुआ था। यह वह समय था, जब स्वतंत्रता संग्राम असफल अवश्य हो गया था, किंतु भारत के अधिकांश देशवासियों के हृदय में स्वतंत्रता की आग धधकने लगी थी।

पुण्यतिथि

तलत महमूद

जन्म-24 फरवरी, 1924, लखनऊ; मृत्यु-9 मई, 1998, मुंबई) भारत के प्रसिद्ध पार्श्वगायक और फि ल्म अभिनेता थे। इन्होंने गजल गायक के रूप में बहुत ख्याति प्राप्त की थी। शुरूआत में उन्होंने 'तपन कुमार' के नाम से गाने गाये थे। बेहद सौम्य और विनम्र स्वभाव के तलत महमूद के लिए संगीत एक जुनून था, जबकि उनकी अदाकारी ने उन्हें बहुमुखी प्रतिभा के धनी कलाकार के रूप में पहचान दिलाई। मात्र सोलह वर्ष की उम्र में ही गजल गायक के तौर पर अपने सफर की शुरूआत करने वाले तलत महमूद ने उस जमाने की जानी-मानी अभिनेत्रियों-सुरैया, नूतन और माला सिन्हा के साथ भी हिन्दी फिल्मों में अभिनय किया था। उनके योगदान के लिए सन 1992 में उन्हें 'पद्मभूषण' की उपाधि से सम्मानित किया गया।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

'ऑपरेशन सिंदूर' एक सार्थक पहल और सख्त सन्देश

भारत के बदले की कार्रवाई का समय भी महत्वपूर्ण है। एयर स्ट्राइक एक हिंदू परिवार में मौत के बाद शोक के 13 दिन (तेरहवीं) के बाद हुई और हमारी बहनों एवं पीड़ितों को उचित न्याय मिला है। भारतीय वायु सेना द्वारा अपनी सीमा के भीतर से दागी गई सटीक मिसाइलों के माध्यम से मुजफ्फराबाद, कोटली, गुलपुर, भिमबर, सियालकोट, चक अमरू, मुरीदके और बहावलपुर में केवल ज्ञात और पहचाने गए आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया

-ललित गर्ग

पहलगाम आतंकी हमले में सुहागनों के सिन्दूर को उजाड़ने वालों पर कड़ा प्रहार करते हुए आपरेशन सिंदूर की सफलतम कार्रवाई हर भारतीय के सीने को गर्व से भरने वाली है। बुधवार की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की कई सटीक, संयमित एवं नपी-तूली कार्रवाई पाकिस्तान को करारा सबक एवं सख्त संदेश है। निश्चित ही अब भारत की आत्मा पर होने वाले हमलों को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। आपरेशन सिंदूर में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान में मौजूद 90 आतंकी मारे गए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए की गई, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। भारत भीतर घूस कर मारता है, इस बार भी उसने बिना पाकिस्तानी सीमा में प्रवेश किये, आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने का कार्य किया, जो बहुत सराहनीय कदम है, गौरवान्वित करने और जोश से भर देनेवाली साहसिक एवं अनूठी घटना है।

आपरेशन सिंदूर से आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में एक सार्थक पहल हुई है। शांति का आश्वासन, उजाले का भरोसा भारत से ही क्यों किया जाता है, कब तक हम अपनी मानवीयता एवं संवेदनशीलता को दशार्ते रहेंगे? इस बार समूचा देश एकजुट हुआ, उन्हें तो आतंक का माकूल जबाव चाहिए था, पाकिस्तान में पोषित हो रहे आतंकवाद के लिये कठोर कार्रवाई चाहिए थी। वायुसेना की इस कार्रवाई से न केवल भारत को बल्कि समूची दुनिया को राहत की सांसें मिली हैं। इस कार्रवाई से भारत ने पाकिस्तान को बेहद सख्त और निर्णायक संदेश दिया है कि अब आतंकवाद नहीं चलेगा। भारत ने किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने लक्ष्यों के चयन और निष्पादन के तरीके में काफी संयम बरता है। नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइलों से हवाई हमला किया गया। ऑपरेशन को ऑपरेशन सिंदूर नाम खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुझाया था, पहलगाम में 26 हिंदू पर्यटकों की नृशंस हत्या के बाद, यह जवाब भारतीय बहनों एवं सुहागिनों के लिए एक उचित प्रतिशोध है, जिन्होंने बर्बर आतंकी हमले में अपने पतियों को खो दिया।

भारत के बदले की कार्रवाई का समय भी महत्वपूर्ण है। एयर स्ट्राइक एक हिंदू परिवार में मौत के बाद शोक के 13 दिन (तेरहवीं) के बाद हुई और हमारी बहनों एवं पीड़ितों को उचित न्याय मिला है। भारतीय वायु सेना द्वारा अपनी सीमा के भीतर से दागी गई सटीक मिसाइलों के माध्यम से मुजफ्फराबाद, कोटली, गुलपुर, भिमबर, सियालकोट, चक अमरू, मुरीदके और बहावलपुर में केवल ज्ञात और पहचाने गए आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारत ने बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के कुख्यात आतंकी मुख्यालय को नष्ट कर स्पष्ट संदेश दिया है। जैश-ए-मोहम्मद चीफ हाफिज सैयद द्वारा बनाया गया यह स्थान आतंक का केंद्र, प्रयोगशाली एवं नर्सरी बन गया था। आगे भी भारतीय सेनाएं किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार हैं। भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की बहानेबाजी एवं आतंकवाद को लगातार प्रोत्साहन एवं पल्लवन देने की स्थितियों को देखते हुए यह आवश्यक हो गया था कि उसे न केवल सबक सिखाया जाए, बल्कि यह संदेश भी दिया जाए कि भारत अब उसकी चालबाजी में आने वाला नहीं है।

यदि भारत ने पाकिस्तान और वहां पल-पल पनप रहे आतंकवाद को सबक नहीं सिखाया तो वे पुलवामा, उरी, पहलगाम जैसी दुखद घटनाओं को अंजाम देते रहेंगे, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सच्चे राष्ट्रभक्त एवं राष्ट्रनायक की भांति आतंकवाद की अनिर्णायक स्थिति में निष्पक्षता एवं कठोरता का पार्ट अदा किया हैं। अब तक हमने सदैव क्षमा करो और भूल जाओ को वरीयता दी है। यही कारण है कि आतंकवाद बढ़ता गया, आतंकवादी पनपते गये, निर्दोष लाशें बिछती रही। अब यह वक्त बताएगा कि पाकिस्तान कोई सही सबक सीखता है या नहीं, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि एयर स्ट्राइक से बिना उसकी सीमा में घुसे बड़े आतंकी अड्डे पर हमला करके यह बता दिया कि भारत के सहने की एक सीमा है, उसके धैर्य का बांध टूट गया है। पाकिस्तानी सेना की उन्मादी मानसिकता एवं विकृत सोच को हम जानते हैं कि वह अपनी गंदी चालों से बाज नहीं आयेगा। लेकिन भारतीय सैन्य बल के सामने वह टिक नहीं पाएंगे। इस बार भारत पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारतीयों ने भी मोदी सरकार के नेतृत्व के पीछे अभूतपूर्व एकता दिखाई है। जाहिर है कि पाकिस्तान बड़े-बड़े दावे करेगा और दुनिया के सामने विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश करेगा। लेकिन पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश मिल गया है भारत के साथ खिलवाड़ न करें। फिलहाल पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय मिल गया है। पाकिस्तान से आतंक की जड़ों को मिटाने का यह स्पष्ट और सार्थक कदम है। पाकिस्तान ने संयम एवं इंसानियत को छोड़ दिया है, उसने मयार्दा और सिद्धान्तों के कपड़े उतार कर नंगापन को ओढ़ लिया है। पूर्वाग्रह एवं आतंकवादी अहंकार के कारण वह विवेक शून्य हो गया है। उसको एवं उसके द्वारा पोषित आतंकवाद को परास्त करना जरूरी हो गया था, उसको परास्त करने का अर्थ उसे काबू में कर सही रास्ते पर लाना नहीं बल्कि आतंकवाद नेस्तनाबूद करना है। अब भी यदि वह सबक नहीं सिखता है तो उसका संकट बढ़ सकता है। भारत युद्ध नहीं चाहता, लेकिन पाकिस्तान युद्ध की मानसिकता से ग्रस्त है। उसे यह भी समझ आना चाहिए कि परमाणु बम के इस्तेमाल की उसकी धमकियां अब काम आने वाली नहीं। हर आतंकवादी घटना मानवीयता को घायल करती है और हर ऐसी जलने वाली लाश का धुआं मानवता पर कालिख पोत देता है। लेकिन आतंकवाद के शमन का रास्ता खोल कर भारत ने दुनिया को भी आश्वस्त किया है कि अब आतंकवाद की दिन लद गये है। भारत की कार्रवाई इस दिशा में एक सार्थक पहल है जिसने आतंकवाद के पैर ले लिये हैं, उसे पंगु बना दिया है। यह निश्चित ही सम्पूर्ण मानवता के लिये उजली सुबह की आहत है।

दरअसल, पाकिस्तान इसलिए अपनी आतंकी सोच बढ़ाता जा रहा था, क्योंकि उसे ठीक से कड़ा संदेश नहीं मिल रहा था। इस तरह उनकी हिम्मत बढ़ती गयी थी और उसने भारत में एक नहीं अनेक बार पहलगाम जैसी दर्दनाक घटनाओं को अंजाम दिया है। उनकी आतंकी योजनाओं को नाकाम करने की सख्त जरूरत पड़ी, ताकि आगे हम अपने और जवान न खोयें, निदोर्षों को मरते न देखें, अशांति को न झेले एवं भय को न जीये। भारत ने यह कर दिखाया है। तमाम आतंकी अड्डे को मटियामेट किया गया, वैसे तमाम अड्डे पाकिस्तानी सेना के संरक्षण और समर्थन से ही चलते रहे हैं। अभी तक पाकिस्तान ऐसे अड्डों को खत्म करने का दिखावा करने के साथ यह बहाना भी बनाता रहा है कि हम तो खुद ही आतंक के शिकार हैं। यह झूठ न जाने कितनी बार बेनकाब हो चुका है, किंतु पाकिस्तान बेशर्मी से बाज नहीं आता। सफल हवाई हमले को अंजाम देने के बाद भारत दुनिया को यह संदेश देने में भी कामयाब रहा कि उसने पाकिस्तान को निशाना बनाने के बजाय उसके यहां कायम आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। वायुसेना ने अपनी पराक्रम क्षमता और साहस का जो परिचय दिया, वह पाकिस्तान के साथ विश्व समुदाय को भी एक संदेश है। वह यह संदेश इसीलिए दे सकी, क्योंकि प्रधानमंत्री ने जरूरी राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया। पाकिस्तान के मनोबल को तोड़कर ही आतंकवाद को परास्त किया जा सकेगा। अब पाकिस्तान को यह भय भी सताएगा कि उसकी ओर से भारत के खिलाफ कोई कदम उठाया गया तो उसे कहीं अधिक करारा जवाब मिलेगा। उस जबाव का अर्थ होगा पाकिस्तान के सम्मुख संकटों के पहाड़ खडे.होना, वहां की अर्थ-व्यवस्था ध्वस्त होना, जनजीवन का परेशान होना, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ना। भारतीय सेना को अब और भी ज्यादा मुस्तैद-सतर्क रहना होगा और बेहतर रणनीति के साथ तैयारी भी मजबूत रखनी होगी, ताकि पाकिस्तान की तरफ से अगर कोई जवाबी कार्रवाई होती है, तो उसका हमारी सेना मुंहतोड़ जवाब दे सके।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारतीय वीरों की पाक को दो टूक 'छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं, घर में घुसकर मारेंगे'

भारतीय जांबाजों ने पाकिस्तान के सियालकोट में स्थित सरजल कैंप पर भी एयर स्ट्राइक की है, इस कैंप से ट्रैंड किये गये आतंकियों ने ही मार्च 2025 में जम्मू और कश्मीर पुलिस के चार जवानों की हत्या की थी। यहां पर हिजबुल मुजाहिदीन का बहुत बड़ा कैंप था, जो कठुआ व जम्मू आदि क्षेत्र में आतंक फैलाने का एक महत्वपूर्ण कंट्रोल रूम था, पंजाब स्थित पठानकोट एयरबेस पर हमला का यहीं प्लान किया गया था

-दीपक कुमार त्यागी

7 मई की सुबह जब देशवासियों की आंखें नींद से खुली, तो देश व दुनिया की मीडिया व सोशल मीडिया के प्लेटफार्म भारत की शौर्य गाथा को बयान कर रहे थे, मीडिया के माध्यम से दुनिया को पता चला कि मां भारती के वीर सपूतों ने एक बार फिर से पाक व पीओके में एयर स्ट्राइक कर दी है, भारत के वीरों ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों पर जमकर के कहर बरपाने का कार्य कर दिखाया है। सूर्य उदय के साथ दिन ही देश व दुनिया में भारत की आतंकियों के खिलाफ की गयी बड़ी कार्रवाई "ऑपरेशन सिंदूर" की गूंज जमकर सुनाई दे रही है। मां भारती के वीर सपूतों की टोली ने 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम की "बैसरन घाटी" में पाकिस्तान के पिट्ठूओं आतंकियों के द्वारा पर्यटकों पर हमला करके की गयी कायराना हरकत का मूंह तोड़ जवाब देने का कार्य वीरता के साथ किया है। लेकिन भारत के वीर सपूतों की पाक परस्त आतंकवादियों के खिलाफ की गयी इस बहुत बड़ी कार्रवाई पर भारत सरकार की अधिकारिक मौहर लगना अभी भी बाकी था, इस ज्वलंत मसले पर पूरी दुनिया भारत सरकार के आधिकारिक रुख को देखना चाहती थी।

पल-पल इंतजार के बाद आखिर वह घड़ी आ ही गयी, जब भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की ऑफीशियल प्रेस ब्रीफिंग होने की सूचना आयी। प्रेस ब्रीफिंग में भारत सरकार के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री, भारतीय सेना की तरफ से कर्नल सोफिया कुरैशी व वायुसेना की तरफ से विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने आज सुबह 10.30 बजे भारत के जांबाजों के द्वारा पाक व पीओके में चुनिंदा आतंकवादियों के लक्षित एयर स्ट्राइक "ऑपरेशन सिंदूर" के वारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रेस ब्रीफिंग में सर्वप्रथम दशकों से चली आ रही पाकिस्तानी के द्वारा भारत में प्रायोजित आतंकवाद पर शार्ट फिल्म दिखाई गयी। उसके बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने ब्रिफिंग में एयर स्ट्राइक के वारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

"प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के द्वारा कही गई बातों का मूल सार यह है कि पहलगाम में हमला अत्यंत बर्बरतापूर्ण था, जिसमें पीड़ितों को बहुत नजदीक से सिर में गोली मारकर और उनके परिवार के सामने मारा गया, इस आतंकी घटना के पीड़ितों के माध्यम से आतंकियों के द्वारा मोदी सरकार को संदेश देने को कहा गया, यह हमला स्पष्ट रूप से कश्मीर में सामान्य स्थिति को कमजोर करने के उद्देश्य से व देश में दंगा फसाद करवाने के उद्देश्य से किया गया था।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बताया कि भारत सरकार ने यह जरूरी समझा कि पहलगाम हमले के साजिशकताओं और साजिशकताओं को न्याय के कटघरे में लाया जाए। लेकिन एक पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी पाकिस्तान की ओर से अपने क्षेत्र में चल रहे आतंकवादी ढांचे के खिलाफ कोई भी ठोस कदम धरातल पर नहीं उठाया गया। जिसके चलते ही भारत सरकार ने पाकिस्तान व पीओके में छिपकर बैठे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए "ऑपरेशन सिंदूर" के अंतर्गत लक्षित ठिकानों पर एयर स्ट्राइक करने का कार्य करके दुश्मनों के ठिकानों को ध्वस्त कर दिया।

प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री, कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने यह साफ कर दिया कि भारत के जांबाजों ने पीओके में की गयी 9 ठिकानों एयर स्ट्राइक में पहलगाम आतंकी हमले के साथ-साथ मुंबई हमले से लेकर के अन्य तमाम हमलों का हिसाब बराबर करने का कार्य किया है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने एयर स्ट्राइक के वारे में विस्तार से बताते हुए देश व दुनिया को यह भी बताया कि आखिर भारतीय सेना ने पाकिस्तान व पीओके के 9 ठिकानों को ही निशाना क्यों बनाया है। उन्होंने बताया कि "ऑपरेशन सिंदूर" पहलगाम हमले के पीड़ितों को न्याय देने के लिए चलाया गया, यह ऑपरेशन 6-7 मई 2025 की रात 1.05 से 1.30 बजे तक कुल 25 मिनट तक चला, जिसके माध्यम से आतंकियों के ट्रेनिंग सेंटर, लॉन्च पैड को भारतीय जांबाजों ने हमला करके तबाह करने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि हमने उन आतंकी ठिकानों पर भी हमला किया है, जहां कसाब, हेडली ने ट्रेनिंग ली थी। उन्होंने दुनिया को यह भी बताया की हमने पाकिस्तान ने किसी भी सैन्य या नागरिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया है। हमने एयर स्ट्राइक के माध्यम से पाक व पीओके में फल-फूल रहे आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाकर नष्ट किया है। यहां आपको बता दें कि आतंकवादियों की सुरक्षित पनाहगाह पीओके व पाकिस्तान में पाक हुक्मरानों की कृपा से आतंकवादियों की ट्रेनिंग के लिए पिछले कई दशकों में बड़े पैमाने पर इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है, जो निर्माण कार्य अब भी बेखौफ निरंतर जारी है।

"ऑपरेशन सिंदूर" के तहत भारतीय सशस्त्र बलों के द्वारा पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) व पाकिस्तान में बने बेहद अहम आतंकवादी ठिकानों का ध्वस्त किया गया है, भारत ने सबसे पहले सवाई नाला कैंप मुजफ्फराबाद जोकि एलओसी से लगभग 30 किमी दूर है और लश्कर तैयबा को ट्रेनिंग सेंटर है, उसको तबाह करने का कार्य किया, इस कैंप में ही 20 अक्तूबर 2024 सोनमर्ग, 24 अक्तूबर 2024 गुलमर्ग, 22 अप्रैल 2025 पहलगाम हमले के आतंकियों ने ट्रेनिंग ली थी। मुजफ्फराबाद स्थित सैयदना बिलाल कैंप, जैश ए मोहम्मद का स्टेजिंग एरिया है, यहां से आतंकियों को जंगल ट्रेनिंग और हथियार आदि मुहैया कराये जाते थे। गुलपुर कैंप, कोटली में लश्कर का बेस कैंप था, जो राजौरी और पुंछ में सक्रिय था, यही पर 20 अप्रैल 2023 पुंछ और 9 जून 2024 तीर्थयात्रियों को बस हमले के आतंकियों को ट्रेनिंग दी गयी थी। अब्बास कैंप कोटली में लश्कर की फिदायीन टीम तैयार होती थी, जिसको तबाह कर दिया गया है। बरनाला कैंप, यह एलओसी के निकट स्थित आतंकियों का एक महत्वपूर्ण लॉन्च पैड है, यहां से अकसर आतंकियों को भारत में घुसपैठ कराई जाती है। देश में कई आतंकी हमलों में शामिल आतंकी यही से निकले हैं।

भारतीय जांबाजों ने पाकिस्तान के सियालकोट में स्थित सरजल कैंप पर भी एयर स्ट्राइक की है, इस कैंप से ट्रैंड किये गये आतंकियों ने ही मार्च 2025 में जम्मू और कश्मीर पुलिस के चार जवानों की हत्या की थी। यहां पर हिजबुल मुजाहिदीन का बहुत बड़ा कैंप था, जो कठुआ व जम्मू आदि क्षेत्र में आतंक फैलाने का एक महत्वपूर्ण कंट्रोल रूम था, पंजाब स्थित पठानकोट एयरबेस पर हमला का यहीं प्लान किया गया था।

मरकज तैयबा, मुरीदके में 2008 के मुंबई हमले के आतंकियों ने ट्रेनिंग ली थी, अजमल कसाब और डेविड हेडली जैसे आतंकी यहीं ट्रैंड किये गये थे। मरकज सुभान अल्लाह, बहावलपुर, जैश-ए-मोहम्मद का हैडक्वार्टर था, इस कैंप में आतंकियों की भर्ती करके उन्हें ट्रेनिंग दी जाती थी।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

ट्रंप ने ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते की घोषणा की, वाहनों पर देंगे रियायत

(एजेन्सी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते पर पहुंच गई है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस स्थित अपने कार्यालय में कहा कि यह व्यापार समझौता इस बात की पुष्टि करता है कि पारस्परिकता और निष्पक्षता अंतरराष्ट्रीय व्यापार का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है और अमेरिकी कृषि उत्पादों तक पहुंच को बढ़ाता है। हालांकि, उन्होंने इस समझौते का ब्योरा न देते हुए कहा कि इसके अंतिम विवरण को अभी भी अंतिम रूप दिया जा रहा है।

ट्रंप ने ओवल ऑफिस में कहा, इसके अंतिम विवरण लिखे जा रहे हैं।... आने वाले हफ़्तों में हम सब कुछ बहुत निर्णायक रूप से कर लेंगे। ट्रंप ने इस व्यापार समझौते के तहत ब्रिटेन के वाहन, इस्पात और एल्युमीनियम उत्पादों पर शुल्क कम करने और अमेरिका से ब्रिटेन को अधिक बीफ (गोमांस) खरीदे जाने पर सहमति जताई है। समझौते के तहत, ब्रिटेन का वाहन पर शुल्क एक कोटा के तहत 27.5 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत रह जाएगा जबकि इस्पात एवं एल्युमीनियम पर आयात शुल्क 25 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगा।

यह समझौता वर्ष 2020 में ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से अलग होने यानी ब्रेक्जिट के बाद अमेरिका के साथ उसके व्यापार संबंधों को मजबूत करने का प्रयास है। ट्रंप ने अप्रैल की शुरूआत में ब्रिटेन समेत कई देशों पर अधिक सीमा शुल्क लगाने की घोषणा की थी जिसे कुछ दिनों बाद ही स्थगित कर दिया गया था। उसके बाद से ही अमेरिका विभिन्न देशों के साथ व्यापार समझौतों को तेजी से पूरा करने में लगा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ब्रिटेन का जिक्र करते हुए कहा, वे देश को खोल रहे हैं। यह देश थोड़ा बंद है। ट्रंप ने कहा कि यह समझौता ब्रिटेन की सीमा शुल्क प्रक्रिया के माध्यम से अमेरिकी वस्तुओं को तेजी से आगे बढ़ाता है।

जल्दी खाली करो, भारत के हमले के बाद ट्रंप का पाकिस्तान पर तगड़ा ऐलान

(एजेन्सी)।

भारत से बदले का सपना देखना वाला पाकिस्तान इस समय बैठकर आंसू बहा रहा है। बैठे बिठाए पाकिस्तान के लिए बड़ी मुसीबत हो गई है। खबर अब अमेरिका को लेकर आई है। अब अमेरिका ने अपने नागरिकों को लेकर बड़ा अलर्ट जारी कर दिया है।

अमेरिका ने अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि अपने नागरिकों को कहा है कि आप लाहौर को छोड़कर जल्द से जल्द वापस लौट आएं। अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए अमेरिका ने कहा है कि वो वापस आ जाएं या फिर कहीं शरण ले लें।

पाकिस्तन और भारत के बीच लगातार जिस तरह से तनावपूर्ण स्थिति हो रही है। उसे देखते हुए अमेरिक ने अपने नागरिकों के लिए ये एडवाइजरी जारी की है।

अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने सुरक्षा अलर्ट में कहा कि उसे ऐसी प्रारंभिक रिपोर्ट भी मिली है जिसमें कहा गया है कि प्रशासन लाहौर के मुख्य हवाई अड्डे से सटे कुछ इलाकों को खाली करा सकता है। इसने अमेरिकी नागरिकों से अपनी सुरक्षा के लिए संघर्ष क्षेत्र छोड़ने के लिए भी कहा है। अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने कहा कि अमेरिका के जो नागरिक संघर्ष क्षेत्र के आसपास हैं, उन्हें वहां से चले जाना चाहिए। यदि वहां से निकलना सुरक्षित नहीं है तो उन्हेंकिसी सुरक्षित स्थान पर जाकर शरण ले लेनी चाहिए। लाहौर छावनी क्षेत्र में कम से कम चार ड्रोन हमले हुए हैं। सशस्त्र बलों ने गोलीबारी की और सायरन बजाया, जिससे लाहौर के सीमावर्ती क्षेत्रों और डिफेंस हाउस अथॉरिटी के निवासियों में दहशत फैल गई।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने इस्लामाबाद में कहा कि लाहौर के पास एक ड्रोन गिरा, जिसमें उसके चार सैनिक घायल हो गए हैं।

सरकार ने ओटीटी मंचों को पाकिस्तान में बनी सामग्री की स्ट्रीमिंग बंद करने की सलाह दी

(एजेन्सी)।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर भारत द्वारा हमला किए जाने और उसके बाद पाकिस्तान की ओर से की गई कार्रवाई के एक दिन बाद, केंद्र ने गुरुवार को ओटीटी प्लेटफॉर्म, मीडिया स्ट्रीमिंग सेवाओं और उनके मध्यस्थों को एक सलाह जारी की कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में पाकिस्तान से संबंधित किसी भी सामग्री को तुरंत हटाना चाहिए। गौरतलब है कि पहलगाम नरसंहार के बाद आतंकवादियों और उनके ठिकानों को निशाना बनाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था, जिसमें 26 नागरिकों की जान चली गई थी।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने पाकिस्तान से आने वाली सामग्री से संबंधित भारत के सभी स्ट्रीमिंग और ओटीटी प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी किया है। सरकार की ओर से जारी आधिकारिक सलाह में कहा गया है: "राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, भारत में संचालित सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म, मीडिया स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और बिचौलियों को सलाह दी जाती है कि वे पाकिस्तान से आने वाली वेब-सीरीज, फि ल्में, गाने, पॉडकास्ट और अन्य स्ट्रीमिंग मीडिया सामग्री को तत्काल प्रभाव से बंद कर दें, चाहे वे सब्सक्रिप्शन आधारित मॉडल पर उपलब्ध हों या अन्यथा।"

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की यह सलाह 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान में आतंकवादी स्थलों पर किये गए हमलों के मद्देनजर आई है। ओवर द टॉप (ओटीटी) मंच एक डिजिटल वितरण सेवा है जो इंटरनेट के माध्यम से वीडियो और ऑडियो सामग्री देखने-सुनने की सुविधा प्रदान करते हैं।

मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श में कहा गया, राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, भारत में संचालित सभी ओटीटी मंच, मीडिया स्ट्रीमिंग मंच आदि को सलाह दी जाती है कि वे पाकिस्तानी वेब-सीरीज, फिल्में, गाने, पॉडकास्ट और अन्य स्ट्रीमिंग मीडिया सामग्री को तत्काल प्रभाव से बंद कर दें।

पाकिस्तान शेयर मार्केट का हुआ ऐसा हाल, रोकनी पड़ गई ट्रेडिंग

(एजेन्सी)।

भारत और पाकिस्तान के बीच इन दिनों तनाव लगातार जारी है। पाकिस्तान और पीएके में भारत ने एयरस्ट्राइक की है। इसके बाद से ही पाकिस्तान थर थर कांप रहा है। वहीं ऑपरेशन सिंदूर के कारण पाकिस्तान का शेयर मार्केट भी बेहाल हो गया है। पाकिस्तानी स्टॉक मार्केट पर इसका नकारात्मक असर खत्म होता नहीं दिख रहा है। एयर स्ट्राइक करने के एक दिन बाद ही गुरुवार को पाकिस्तान स्टॉक मार्केट में ऐसा भूचाल आया कि स्टॉक एक्सचेंज में ट्रेडिंग रोक दी गई। स्टाक मार्केट खुलने के साथ ही कुछ ही समय के बाद केएसई 100 इंडेक्स में लगभग 7000 अंक की गिरावट आई थी। इस बड़ी गिरावट के बाद पाकिस्तान स्टॉक मार्केट क्रैश हो गया। बाजार में लोअर सर्किट लग गया था। पाकिस्तान स्टॉक मार्केट में केएसई 100 इंडेक्स में गुरुवार को कारोबार की शुरूआत होते ही गिरावट आई थी। कारोबार में 6.50 फीसदी की गिरावट आई थी, जिसके बाद ये लुढ़कर 1,02,997.18 के स्तर पर आ गया था। जानकारी के मुताबिक भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद बुधवार को भी पाकिस्तान शेयर बाजार छह फीसदी नीचे गिरा था। वहीं अगले दिन इसमें इतनी गिरावट आई की अंत में ट्रेडिंग को ही बंद करना पड़ा।

पाकिस्तान शेयर बाजार लगातार नीचे गिर रहा है। यहां युद्ध के हालात बन रहे है। इसी बीच निवेशकों को बेचैनी भी हो रही है। पाकिस्तानी मार्केट में हर बीतते दिन के साथ बड़ी गिरावट आ रही है। पाकिस्तान शेयर बाजार में आलम ये है कि जल्दी में वहां ट्रेडिंग रोक दी गई ताकि बड़ा नुकसान ना हो।

सुरक्षा कारणों के चलते धर्मशाला से स्पेशल ट्रेन से वापस आएंगे खिलाड़ी

(एजेन्सी)। आईपीएल 2025 का 58वां मैच पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जा रहा था जिसे रद्द कर दिया गया। बीसीसीआई भी दबाव में आ गया है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच धर्मशाला मैदान में कम्पलीट ब्लैकआउट होने के बाद मुकाबला रद्द घोषित कर दिया गया और जल्द से जल्द मैदान को खाली करवाया गया था। अब बीसीसीआई के वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला ने बड़ा बयान दिया है कि बोर्ड खिलाड़ियों को धर्मशाला से बाहर होने के लिए स्पेशल ट्रेन का इंतजाम कर रही है। बीसीसीआई के वाइस प्रेसिडेंट ने कहा है कि, हम सभी खिलाड़ियों को सुरक्षित वापस लोने के लिए एक स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था कर रहे हैं, अभी के लिए पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स मैच को रद्द घोषित कर दिया गया है। कल के हालातों को देखते हुए आईपीएल 2025 टूनार्मेंट के भव्यि पर फैसला लिया जाएगा। फिलहाल, सभी खिलाड़ियों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता है। वहीं टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब टीम ने दमदार शुरूआत की। प्रभसिमरन ने प्रियांश आर्य के साथ पहले विकेट के लिए 122 रनों की साझेदारी की। प्रियांश की पारी का अंत टी नटराजन ने किया। उन्होंने 11वें ओवर की पहली गेंद पर माधव तिवारी को कैच थमाया। प्रियांश के बल्ले से पांच चौके और 6 छक्के निकले। प्रभसिमरन ने अपनी पारी में चौके मारे।

लंबे समय से कलेक्ट्रेट में जमे बाबुओं को हटाने की बार ने की मांग

कारवाई नहीं हुई तो मुख्यमंत्री से है मिलने की योजना

एसबी संवाददाता

वाराणसी। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन बनारस के महामंत्री राजेश गुप्ता ने बताया कि वाराणसी कलेक्ट्रेट में प्रशासनिक अधिकारियों के न्यायालयों में न्याय की मंशा विफल होने के कारण वादकारी न्याय पाने से वंचित इसलिये हो रहे हैं कि उपरोक्त न्यायालयों में अनाधिकृत रुप से तैनात आउटसाइडर आदेश के नाम पर जबरजस्त धन उगाई कर रहे है, जो चिन्ता का विषय है।

गुप्ता ने बताया कि उपजिलाधिकारी सदर, तहसीलदार, चकबन्दी अधिकारियों, कानूनगो सभी लोग नियमों की धज्जियाँ उडाकर मनमाने ढंग से जनता का शोषण करने पर आमादा है जिनपर जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारियों का कोई भय उन्हें नहीं हैं।

एक एक न्यायालयों में पांच वर्ष, दस वर्ष से बाबू मनमाने तरीको से तैनात है जो वकीलों और फरियादियों से साठगांठ कर ऐसे कार्य कर और करवा रहे हैं,

राजेश गुप्ता महामंत्री सेन्ट्रल बार एसोसिएशन।

जिसके परिप्रेक्ष्य में विगत दिनों जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराते हुए लिखित शिकायत तक किया गया। परन्तु अब तक कोई भी ठोस कार्यवाही न होने से अधिवक्ताओं में काफी आक्रोश व्याप्त है।

जिलाधिकारी को कलेक्ट्रेट में प्याऊं लगवाने, कलेक्ट्रेट में वाहनों के प्रवेश रोकने, खडन्जा जो ठीकेदार ने बिछाया है वह मानक के विपरीत है की जांच, रिकार्ड रुम में अधिवक्ताओं को बैठने का इंतजार, रजिस्ट्री आफिस में रिक्त उपनिबंधक अधिकारियों की नियुक्ति, तहसील में कर्मचारियों की जांच, चकबंदी अधिकारियों के 5 माह के आदेशों की जांच, डिप्टी कलेक्टर के न्यायालय में फर्जी व्यक्ति जिसका विडिओ डी.एम. साहब को दिया गया उसके विरुद्ध मुकदमा की मांग किया गया, जिस पर अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुआ।

राजेश गुप्ता ने बताया कि जिलाधिकारी वाराणसी जल्द लम्बे समय से एक ही पटल पर कार्य कर रहे बाबूओ, स्टोनो व चपरासियों को कही अन्य पटल पर तैनात नहीं करेंगे तो इन सभी गंभीर मुद्दों को लेकर उससे सम्बंधित सभी साक्ष्यों को एकत्र कर जल्द ही उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री को अवगत कराया जायेगा।

आपसी सद्भाव और सहयोग से ही होगी समाज की प्रगति-ऊर्जा मंत्री

एसबी संवाददाता

जयपुर। श्री धरणीधरण सेवा संस्थान मांडकला के तत्वावधान में और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सम्मेलन अनुदान योजना द्वारा अनुदानित श्री नागर धाकड़ समाज नागरचाल 108 गांव का 27वां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन गुरुवार को बुंदी जिले के पांडुला गांव में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ऊर्जा राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) श्री हीरालाल नागर ने नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके सुखी और समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की। श्री नागर ने सामूहिक विवाह आयोजन की पहल को सराहनीय बताया। उन्होंने समाज के सभी लोगों से एकजुट होकर समाज को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आपसी सद्भाव और सहयोग से ही समाज प्रगति करेगा।

ऊर्जा राज्यमंत्री नागर ने बालिका शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बालिकाओं को प्रोत्साहित कर आगे बढ़ाया जाएगा और उनकी शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने मातृशक्ति की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि महिलाएं देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने सभी से बालिकाओं की प्रगति के लिए मिलकर प्रयास करने का आग्रह किया।

जीएसटी की बैठक में अधिकाधिक पंजीयन बढ़ाने व रिटर्न समय से दाखिल हेतु किया प्रेरित

एसबी ब्यूरो प्रमुख इन्तजार हुसैन

बदायूँ। पुरानी चुंगी स्थित राज्य कर विभाग, बदायूं में अपर आयुक्त, ग्रेड-02 (वि०अनु०शा०) बरेली आशीष निरंजन द्वारा व्यापारियों व अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर व्यापारियों की समस्याओं को सुना गया एवं उसका निराकरण भी कराया गया। अधिकाधिक पंजीयन बढ़ाने हेतु व रिटर्न समय से दाखिल करने हेतु प्रेरित किया गया।

बैठक में संयुक्त आयुक्त (कार्यपालक) के० के० गुप्ता, संयुक्त आयुक्त (वि०अनु०शा०) बरेली नीलम रानी, उपायुक्त विजय सोनी, डॉ० संजीव पाठक, रवि कुमार तथा सहायक आयुक्त दिव्य प्रकाश सिसौदिया, आकांक्षा पाण्डेय, चन्द्रशेखर सिंह एवं व्यापारी पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

नगर पालिका चेयरमैन फात्मा रजा ने दो हॉटमिक्स सडकों का फीता काटकर उद्धघाटन किया

एसबी ब्यूरो प्रमुख इन्तजार हुसैन

बदायूँ। नगर पालिका चेयरमैन फात्मा रजा ने गुरुवार को शहर के वार्ड-10 घंटाघर से छः सड़का तक हॉटमिक्स सड़क एवं वार्ड-23 में मोहल्ला चाहमीर व नागरान में मढईचौक रोड से शकील रोड तक हॉटमिक्स सडक का फीता काटकर उद्धघाटन किया।

नगर पालिका ने 12 लाख 27 हजार 451 रुपये की लागत से दो सड़को का निर्माण कराया है। पालिकाध्यक्ष ने आज उद्धघाटन करके इस सडक को जनता को समर्पित किया है। पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा ने कहा कि अपने अपने वार्ड में लोग स्वयं स्वच्छता अभियान में सहयोग करें। जनता के साथ जो वायदे किए गए थे, उन्हें पूरा किया जा रहा है। किसी भी वार्ड के साथ भेदभाव की दृष्टि से काम नहीं किया जाएगा।

पालिकाध्यक्ष ने कहा कि वह जनता की समस्याओं के समाधान का हर प्रयास कर रही है। कहा कि जब तक पालिका में बजट रहेगा तब तक शहर का विकास होता रहेगा। बताया कि इसके अलावा भी पालिका द्वारा कई स्थानों पर सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही पूर्व सभासद अनमिका शुक्ला ने शॉल और माला पहनाकर स्वागत किया।

लोकार्पण समारोह में सभासद ग्रीश शुक्ला, अनवर खां, कनीज फात्मा, धन श्याम वर्मा, राधे श्याम साहू, हिमांशू वैश्य, प्रदीप वैश्य, आरती शर्मा, रूची, विमला, कमाल उददीन, फिरोज अंसारी, आसिफ खां, जाकिर अंसारी, फैसला अंसारी, जावेद, इमरान, कार्यालय अधीक्षक खालिद अली, लिपिक नवैद इकबाल गनी,निर्माण लिपिक सचिन सक्सेना, गजेन्द्र सिंह, आदि मौजूद रहे।

मूक पक्षियों के दाने-पानी की व्यवस्था करने के लिए हम सभी को आगे आना होगा: डॉ. दीप्ति मीणा

संजना भारती संवाददाता

टोंक। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण दाने-पानी के लिए परेशान हो रहे बेजुबान पक्षियों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझते हुए पशु चिकित्सालय राजमहल की प्रभारी डॉ. दीप्ति मीणा आगे आई। इसी के तहत उनहोंने पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. छोटू लाल बैरवा के निर्देश पर पशुचिकित्सालय राजमहल में पक्षियों की भूख-प्यास बुझाने को लेकर परिंडे बांधे और चिकित्सालय के कार्मिकों को परिंडों की नियमित साफ-सफाई एवं इनमें प्रतिदिन दाना-पानी भरने के निर्देश दिए। प्रभारी डॉ. मीणा ने कहा कि इन मूक परिंदों को दाने-पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़े इसके लिए हम सभी को इस पूनित कार्य में आगे आना होगा।

प्रभारी डॉ. दीप्ति ने परिंडे बांधने के अवसर पर ग्राम के पशुपालकों एवं चिकित्सालय कार्मिकों को संबोधित करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में मनुष्य तो बोलकर अपनी भूख-प्यास की पीड़ा को व्यक्त कर सकता है लेकिन हमारे और प्रकृति के सच्चे मित्र अपनी पीड़ा को नहीं बता सकते है। इन मूक पक्षियों के दाने-पानी की व्यवस्था करना हमारे नैतिक दायित्व के साथ-साथ सबसे बड़ा धर्म व पुण्य का काम है। हमारा कर्तव्य है कि हम अपने घरों के आँगन, छत एवं

सार्वजनिक स्थानों पर इन बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर उनमे प्रतिदिन दाना-पानी रखे। प्रभारी मीणा ने कहा कि हमारे छोटे-छोटे प्रयासों से ही आने वाली भावी पीढ़ियां ऐसे पुण्यकार्य करने के लिए प्रेरित होंगी। डॉ. मीणा ने कहा कि बेजुबान पशु-पक्षी प्रकृति के दूत हैं, पक्षी हमारे पर्यावरण को बचाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि दाने-पानी से भरे हुए परिंडे, पशु चिकित्सालय में वाले पक्षियों की भूख-प्यास बुझाने में लाभदायक साबित होंगे। डॉ. दीप्ति ने कहा कि, पशु-पक्षियों, पौधों और हरियाली का होना ही हमारे होने की शर्त है। जब तक इनका जीवन बचा रहेगा, तब तक ही मानव जाति का भी अस्तित्व रहेगा। पशु-पक्षियों को दाना-पानी देने को हम अपनी आदत में शुमार कर लें अन्यथा मनुष्य के समक्ष भी दाने-पानी का संकट खड़ा हो जाएगा। चिकित्सालय प्रभारी मीणा ने बताया कि संयुक्त के निर्देश पर परिंडा अभियान की गतिविधियां आगे भी निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि परिंडों की नियमित साफ-सफाई एवं इनमें प्रतिदिन दाना-पानी डालने में कार्यालय के किसी भी कार्मिक की लापरवाही को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

चिकित्सालय प्रभारी डॉ. दीप्ति ने परिंडा बांधने के दौरान पशुपालकों की जनसुनवाई कर समस्याओं का समाधान करने के लिए पशुधन सहायक धर्मराज मीणा को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गांव के पशुपालक अपनी समस्या लिखित रूप में दें आगामी दिनों में आपकी समस्याओं का संयुक्त निदेशक से चर्चा कर समाधान किया जाएगा। मीणा ने कहा कि पशुपालक प्राथमिकता के आधार पर अपनी समस्याओं को बताएं, ताकि उन्हें चरणबद्ध रूप से पूरा कराया जा सके। जिन समस्याओं का नियमानुसार समाधान किया जाना संभव नहीं होगा, इसकी सूचना आपको दी जाएगी।

परिंडा बांधने के अवसर पर प्रभारी मीणा ने गोपालक एवं पशु पालकों से कहा कि राज्य सरकार द्वारा पशुपालकों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना चलाई जा रही है। गांव के सभी पशुपालक इस जनकल्याणकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत पशुपालकों के दुधारु और भारवाहक पशुओं का निःशुल्क बीमा किया जा रहा है। योजना में दुधारु गाय, भैंस, ऊंट, भेड़ व बकरी जैसे पशुओं का एक वर्ष के लिए निःशुल्क बीमा होगा। उन्होंने बताया कि यह योजना न केवल आपके अमूल्य पशुओं की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करेगी बल्कि आपके पशुपालन व्यवसाय को भी प्रोत्साहन देगी। दीप्ति ने बताया कि योजना के लिए आप अपने जन आधार कार्ड की सहायता से मोबाइल फोन में मंगला पशु बीमा योजना ऐप व नजदीकी ई मित्र से अपना निःशुल्क पंजीयन करवा सकते है।

विदेशी गैंगस्टर सोनू खत्री का मुख्य साथी खरड़ से गिरफ्तार, तीन पिस्तौलें बरामद

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर संगठित अपराध विरूद्ध चलाई जा मुहिम के दौरान बड़ी सफलता के तहत एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (ऐजीटीएफ) पंजाब ने एस.ए.एस.नगर पुलिस के साथ साझा ऑपरेशन में विदेशी गैंगस्टर राजेश कुमार उर्फ सोनू खत्री के मुख्य साथी हरजिंदर सिंह को खरड़ बस स्टैंड से गिरफ्तार किया है। यह जानकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने वीरवार को यहां दी।

पुलिस टीमों ने गिरफ्तार किए गए मुलजिम के कब्जे से तीन पिस्तौलें - जिनमें दो .32 बोर और एक .30 बोर सहित 14 कारतूस बरामद किए हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि मुलजिम खरड़ के 'फ्यूचर हाइट्स' में विरोधी गैंग के सदस्यों पर हथियारबंद हमले के मामले में वांछित था। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किया गया मुलजिम हरजिंदर सिंह अपने विदेश में रहने वाले हैंडलर सोनू खत्री से सीधे तौर पर निर्देश प्राप्त कर रहा था और राज्य में हाई-प्रोफाइल अपराध को अंजाम देने की साजिश रच रहा था।

डीजीपी ने कहा कि हरजिंदर सिंह की गिरफ्तारी सरहद पार के संबंधों के माध्यम से चलाए जा रहे गैंगस्टर नेटवर्कों के खिलाफ हमारी निरंतर और मुस्तैद कार्रवाई का अहम कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे नेटवर्क का पदार्फाश करने और अगले-पीछले संबंध स्थापित करने के लिए और जांच जारी है।

ऑपरेशन संबंधी जानकारी साझा करते हुए ऐजीटीएफ के अतिरिक्त डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (एडीजीपी) प्रमोद बान ने बताया कि डीएसपी राजन परमिंदर की अगुवाई में पुख्ता सूचना के आधार पर एजीटीएफ की टीमों ने खरड़ के इलाके में घूमते आरोपी हरजिंदर को ढूंढ निकाला और उसे खरड़ बस स्टैंड से गिरफ्तार करने में कामयाब रही। इस संबंध में बीएनएस की धारा 125, 194, 194(2), 296, 193(3) और 190 और शस्त्र अधिनियम की धारा 25 और 27 के तहत एफआईआर नंबर 68 दिनांक 24/02/2025 के अधीन केस पहले ही एसएएस नगर के पुलिस स्टेशन सिटी खरड़ में दर्ज किया गया है।

विदेश-आधारित तस्कर के दो गुर्गे 10 किलो हेरोइन और एक लाख रुपये की ड्रग मनी सहित गिरफ्तार

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़/अमृतसर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर शुरू की गई नशा विरोधी मुहिम युद्ध नशों विरूद्ध के तहत पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने विदेश-आधारित तस्कर जस्सा द्वारा चलाए जा रहे अंतरराष्ट्रीय नार्को-तस्करी मॉड्यूल के भारत-आधारित दो गुर्गों को गिरफ्तार करके इस नेटवर्क का पदार्फाश किया है।

यह जानकारी देते हुए डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने यहां बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे से 10 किलो हेरोइन और 1 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के मजीठा रोड स्थित इंद्रा कालोनी के निवासी गुरपिंदर सिंह और अमृतसर के चक्क मिश्री खान के निवासी साजन के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने उनका काला हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (पीबी-02-ईएम-2025), जिसका उपयोग वे नशों की तस्करी के लिए कर रहे थे, भी जब्त कर लिया है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि विदेश-आधारित आरोपी जस्सा नशों और हथियारों का तस्कर है, जो पुलिस को थाना एसएसओसी अमृतसर में दर्ज एनडीपीएस एक्ट और असला एक्ट के तहत कई केसों में वांछित है।

गौरतलब है कि सीआई अमृतसर द्वारा पिछले दस दिनों में बेनकाब किया गया यह तीसरा मॉड्यूल है, जिसे विदेश आधारित तस्कर जस्सा द्वारा चलाया जा रहा था। इससे पहले उक्त तस्कर जस्सा के गुर्गे अभिषेक को सात पिस्तौलों और 1.5 लाख रुपये सहित गिरफ्तार किया गया था और इसके कुछ दिन बाद पुलिस टीमों ने जस्सा के फरार साथी जोधबीर सिंह उर्फ जोधा के ठिकाने से 5 किलो हेरोइन बरामद की थी। डीजीपी ने कार्रवाई के विवरण साझा करते हुए बताया कि पुलिस को पुख्ता जानकारी मिली थी कि आरोपी गुरपिंदर और साजन अमृतसर के ऐस्कार्ट अस्पताल के पास बाईपास वाले इलाके में किसी दूसरे पक्ष को हेरोइन की बड़ी खेप पहुंचाने जा रहे हैं, जिस पर कार्रवाई करते हुए सीआई अमृतसर की पुलिस टीमों ने प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर इलाके में ऑपरेशन चलाया और दोनों आरोपियों को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वे अपने मोटरसाइकिल पर खेप की डिलीवरी करने जा रहे थे। उन्होंने बताया कि उक्त आरोपियों की तलाशी के दौरान पुलिस को उनसे 10 किलो हेरोइन और 1 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद हुई। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी अपने विदेश-आधारित संचालक जस्सा के निर्देशों पर नशों की खेप पहुंचाने जा रहे थे। उन्होंने कहा कि इस केस में अगले-पीछले संबंधों का पता लगाने के लिए आगामी जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियों व बरामदगियों की संभावना है।

इस संबंध में थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी), अमृतसर में एनडीपीएस कानून की धाराओं 21, 25, 27-ए और 29 के तहत एफआईआर नंबर 30 दिनांक 08.05.2025 दर्ज की गई है।

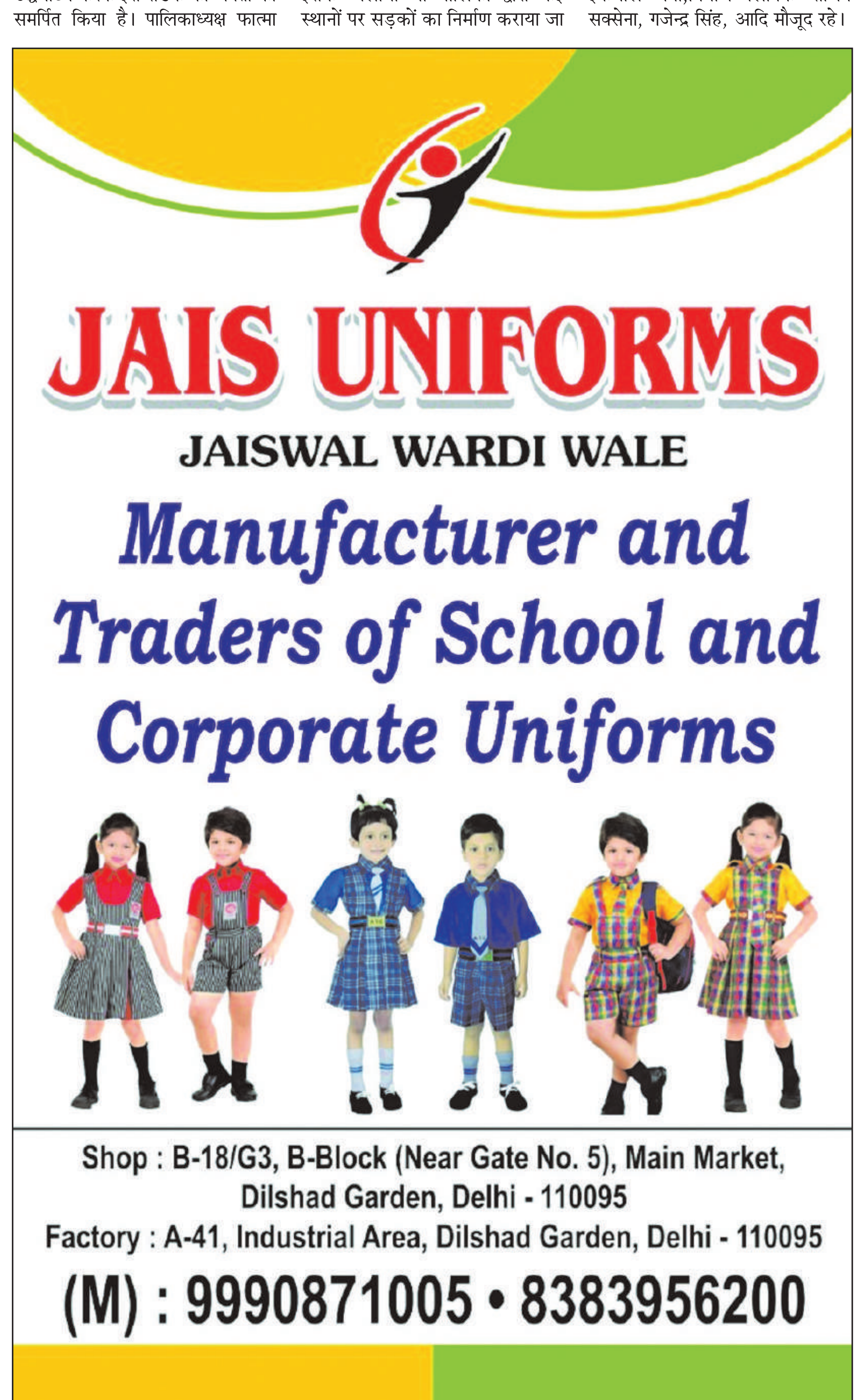

पंजाब के कृषि मंत्री ने खरीफ की फसलों संबंधी राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में लिया हिस्सा

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/नई दिल्ली। पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वह राज्य में फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए खरीफ सीजन के दौरान धान के विकल्प के तौर पर मक्का, कपास और अन्य वैकल्पिक फसलों की खेती करने वाले किसानों को 17,500 रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से नकद प्रोत्साहन राशि दे।

स. खुड्डियां ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 10 जून, 2024 को जारी पत्र के माध्यम से फसल विविधीकरण कार्यक्रम (सी.डी.पी.) के तहत राज्य में धान के विकल्प संबंधी संशोधित निर्देश जारी किए गए थे। उन्होंने बताया कि इसके तहत खरीफ सीजन के दौरान धान की जगह कोई अन्य वैकल्पिक फसल की खेती करने वाले किसानों को 17,500 रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से नकद प्रोत्साहन राशि देने के बारे में कहा गया था। उन्होंने कहा कि इस पत्र के मुताबिक प्रति किसान 5 हेक्टेयर तक इस योजना के तहत लाभ ले सकता है। इस पत्र की निरंतरता में पिछले साल नवंबर और दिसंबर में दो और जारी किए गए पत्रों में इस नकद प्रोत्साहन राशि देने का कोई जिक्र नहीं किया गया, जिसने किसानों के लिए अनिश्चितता की स्थिति पैदा कर दी है।

स. गुरमीत सिंह खुड्डियां आज यहां केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा यहां पूसा कॉम्प्लेक्स में खरीफ की फसलों संबंधी आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-2025 में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज चौहान ने किया। पंजाब के कृषि मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा पहले ही भारत सरकार से अनुरोध किया गया है कि वह पराली के उचित प्रबंधन पर आने वाले अतिरिक्त खर्च के बदले किसानों को प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देकर समर्थन और सहयोग करे ताकि पराली जलाने के कारण होने वाले वायु प्रदूषण के खतरे से निपटा जा सके। उन्होंने दोहराया कि इस संबंध में पंजाब सरकार अपना बनता योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पंजाब के कृषि मंत्री ने मांग की कि केंद्र सरकार फसल विविधीकरण के प्रति किसानों को प्रेरित करने के लिए उक्त नकद प्रोत्साहन राशि की योजना को बिना देरी लागू करे ताकि पंजाब सरकार द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को और मजबूती मिल सके। उन्होंने कहा कि कपास की फसल के तहत पहले पंजाब में रकबा 8 लाख हेक्टेयर के करीब था जो अब घटकर एक लाख हेक्टेयर के करीब रह गया है। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय सहायता से जहां वैकल्पिक फसलों की बुवाई की ओर किसान सकारात्मक प्रतिक्रिया देंगे वहीं राज्य सरकार द्वारा भूजल को बचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को अमलीजामा पहनाने में भी यह योजना कारगर साबित हो सकती है।

खादों की निर्धारित और नियमित आपूर्ति की मांग करते हुए स. खुड्डियां ने कहा कि पंजाब केंद्रीय पूल में 21 प्रतिशत धान और 46 प्रतिशत गेहूं का योगदान देता है जो कि खादों की वांछित मात्रा की निरंतर आपूर्ति के कारण ही संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि रबी के मौसम के दौरान फास्फेटिक खादों की आमतौर पर कमी आती है। इसलिए यह जरूरी है कि खरीफ के मौसम से ही इन खादों की आपूर्ति निरंतर बनाए रखी जाए। इस दौरान स. खुड्डियां ने केंद्र सरकार से गेहूं के बीज पर सब्सिडी जारी रखने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुमानों के अनुसार देश को आने वाले समय में 345 मिलियन मीट्रिक टन अनाज की आवश्यकता होगी जो कि इस समय 298.82 मिलियन मीट्रिक टन है। इन अनुमानों के अनुसार देश को आवश्यक मात्रा में पूरा करने के लिए अनाज वाली फसलों के क्षेत्र या उत्पादन में वृद्धि करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि परिषद के अनुसार हर साल गेहूं का 33 प्रतिशत बीज बदलने की जरूरत है जिसके लिए लगभग 20 करोड़ रुपये आवश्यक हैं। लेकिन भारत सरकार द्वारा एन.एफ.एस.एम. और आर.के.वी.वाई. योजनाओं के तहत गेहूं के बीज पर सब्सिडी बंद कर दी गई है। इस सब्सिडी को देश की बढ़ती आबादी को भोजन देने के बड़े हित के लिए जारी रखा जाना चाहिए।

पटियाला सड़क हादसा: पंजाब राज्य बाल अधिकार रक्षा आयोग ने डीसी और एसएसपी से तलब की रिपोर्ट

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पंजाब राज्य बाल अधिकार आयोग द्वारा पटियाला में हुए सड़क हादसा मामले में डिप्टी कमिश्नर पटियाला और एस.एस.पी. से रिपोर्ट तलब की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब राज्य बाल अधिकार आयोग के चेयरमैन कंवरजीत सिंह ने बताया कि स्कूल की गाड़ी की टिप्पर से हुई भयानक टक्कर में ड्राइवर सहित 7 विद्यार्थियों की मौत हो गई है और कई घायल हो गए हैं, इस मामले से संबंधित आयोग द्वारा सु-मोटो नोटिस लिया गया है। पंजाब राज्य बाल अधिकार रक्षा आयोग द्वारा डिप्टी कमिश्नर पटियाला को पत्र लिखकर कहा गया है कि हादसे के दौरान घायल हुए बच्चों का हर संभव इलाज किया जाए और रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर को सख्त हिदायत दी जाए कि सड़कों पर चल रहे ओवरलोड टिप्परों/वाहनों की सख्ती से जांच की जाए। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि संबंधित स्कूल और जिले के सभी स्कूलों के स्कूल वाहनों की जांच की जाए, यदि स्कूल वाहन निर्धारित शर्तें पूरी नहीं करते हैं तो स्कूल वाहन ड्राइवरों और स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसके अलावा सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस पटियाला को हिदायत की गयी है कि इस हादसे के लिए जिम्मेदार टिप्पर के ड्राइवर के लाइसेंस, टिप्पर के पूर्ण दस्तावेज जैसे वैध आर.सी., फिटनेस के अलावा सरकार द्वारा जारी माइनिंग नीति की शर्तों के तहत सड़क के चलने, ओवरलोड आदि की गहराई से जांच करके टिप्पर मालिक के खिलाफ नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाए। आयोग द्वारा डिप्टी कमिश्नर पटियाला और एस.एस.पी. पटियाला से इस संबंध में कार्रवाई की रिपोर्ट 11.05.2025 तक तलब की गई है।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने दिखाया अपना पराक्रम: विधायक सतपाल जांबा

विधायक सतपाल जांबा ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय सेना, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री तथा रक्षा मंत्री का किया धन्यवाद

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत अपना पराक्रम दिखाया है और आतंकियों व उनके ठिकानों को ध्वस्त करके एक सराहनीय कार्य किया है। अब भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि भारतीय सेना कितनी मजबूत है और वह हर स्थिति में अपना दमखम बेहतरीन तरीके से दिखाने में सक्षम है। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा जो नुकसान भारत देश को पहुंचाया है, उसका बदला ले लिया है।

विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि पहलगाम में हमारी बेटियों की मांग के सिंदूर को उजाड़ने वाले आतंकी हमले के जवाब में इस ऑपरेशन का नाम ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखा गया है। हमें भारतीय सेना और अपने वीर जवानो पर गर्व है। आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में प्रत्येक देशवासी भारतीय सेना के साथ खड़ा है। विधायक सतपाल जांबा ने इस कार्रवाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का धन्यवाद किया।

विधायक पूंडरी सतपाल जांबा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम हमले के तुरंत बाद से ही बड़े फैसले लेने शुरू कर दिए थे। जिसमें सिंधु जल समझौता को तोड़ना तथा पाकिस्तान के नागरिकों को भारत छोड़ना आदि। उन्होंने कहा कि हमारा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में है। किसी भी देशवासी को घबराने की जरूरत नहीं है।

विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि बुधवार को किसी भी आपात स्थिति से निपटने व नागरिक सुरक्षा के मद्देनजर में पूरे देश व प्रदेश में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से लोगों को बताया गया कि हमें विषम परिस्थिति में घबराना नहीं है, बल्कि संयम एवं साहस का परिचय देना है। इस मॉक ड्रिल के माध्यम से यह भी देखा गया है कि ऐसी परिस्थितियों में हमें कैसे सूचना तंत्र एवं प्रबंधन को मजबूत बनाना है। मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट ड्रिल में प्रत्येक जिलावासी ने अपना सहयोग दिया, उसके लिए सभी का धन्यवाद। उन्होंने सभी लोगों से आपात स्थिति के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों का पालन करने की अपील की है।

जिले में सरकारी कर्मचारी अधिकारियों की छुट्टियां रद्द

डीसी प्रीति ने जारी किए आदेश, कहा-मॉक ड्रिल व ब्लैक आउट में जिला वासियों का रहा बेहतर सहयोग

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति के आदेशानुसार जिले में सरकारी कर्मचारियों एवं अधिकारियों की आगामी आदेशों तक छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। जो कर्मचारी या अधिकारी छुट्टी पर चल रहे थे, उन्हें ड्यूटी ज्वाइन करने के निर्देश जारी किए गए हैं। ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटने में आवश्यक कदम उठाने में परेशानी न हो।

डीसी प्रीति ने कहा कि जिले में उन कर्मचारियों व अधिकारियों की छुट्टियां रद्द की गई हैं, जो इस समय छुट्टी पर चल रहे थे या जिन्होंने आने वाले दिनों के लिए छुट्टियां मंजूर करवाई हुई हैं। छुट्टी पर चल रहे कर्मचारियों व अधिकारियों को ड्यूटी ज्वाइन करने को कहा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी अधिकारी व कर्मचारी बिना अनुमति के स्टेशन नहीं छोड़ेगा।

डीसी ने कहा कि बुधवार को की गई मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट में जिला वासियों का काफी अच्छा सहयोग रहा। आने वाले दिनों में यदि कोई ऐसी आपात स्थिति आती है तो सभी से अपील की जाती है कि सतर्क रहते हुए सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करें। घबराने की बजाए सतर्क रहते हुए बचाव कार्यों में सहयोग दें।

सड़कों पर वाहन चलाने वाले लोगों से अपील है कि आपात स्थिति में सायरन आदि की आवाज सुनकर वाहन रोक कर साइड में खड़े हो जाएं और लाइटें बंद कर लें। इसके अलावा किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न देकर सरकारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

हरियाणा ने स्वास्थ्य विभाग के सभी कर्मचारियों की छुट्टी पर लगाया प्रतिबंध

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि पाकिस्तान के साथ मौजूदा तनावपूर्ण हालात और राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से उत्पन्न स्थिति को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी पर तुरंत प्रभाव से प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्णय राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता, कुशलता और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि संकट की इस घड़ी में राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह सक्रिय रहे ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके और आम जनता को तुरंत आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें।

इसके तहत हरियाणा के सभी सिविल सर्जन और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को आगामी आदेशों तक कोई भी छुट्टी, चाहे वह आकस्मिक हो या पूर्व स्वीकृत, स्वीकृत न करें। सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी व्यक्ति जिला मुख्यालय छोड़कर अपने कार्यस्थल पर मौजूद रहे। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी को विषम परिस्थितियों में अवकाश लेने की आवश्यकता पड़ती है तो उसे महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, हरियाणा से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना पूर्व अनुमति के किसी भी कर्मचारी को अवकाश पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस समय हम सभी को एकजुट होकर काम करना होगा। स्वास्थ्य विभाग प्रदेश की रीढ़ है और युद्ध या आपातकाल जैसी स्थिति में इसका सक्रिय रहना सबसे जरूरी है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मियों से अपील की कि वे अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा, समर्पण और सेवा भावना से निर्वहन करें तथा किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरतें। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार द्वारा सभी आवश्यक संसाधन और सहायता उपलब्ध कराई जाएगी ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में कोई बाधा न आए। उन्होंने अधिकारियों को सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की तैयारियों की समीक्षा करने और सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

एसपी ऑफिस में कार्यरत संदीप कुमार व प्रदीप कुमार एएसआई के पद पर हुए प्रमोट

संजना भारती संवाददाता

कैथल। पुलिस प्रवक्ता प्रवीन श्योकंद ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यालय पुलिस अधीक्षक कैथल में कार्यरत संदीप कुमार व प्रदीप कुमार को मुख्य सिपाही से एएसआई के पद पर प्रमोट होने पर एसपी आस्था मोदी ने स्टार लगा कर सम्मानित किया। एसपी आस्था मोदी ने कहा कि प्रमोशन प्राप्त करने पर पुलिस कर्मचारियों के कंधों पर जिम्मेदारी बढ़ जाती है। क्योंकि प्रमोशन के साथ नई जिम्मेदारी मिलती है। इसलिए इस जिम्मेदारी को ईमानदारी और निष्ठा से निभाना। प्रमोशन पाने वाले एएसआई संदीप कुमार व प्रदीप कुमार ने कहा कि विभाग की ओर से जो भी काम दिया जाएगा उसे पूरी निष्ठा से किया जाएगा। प्रमोशन का पल कर्मचारी के लिए गर्व का पल होता है। इसके लिए कर्मचारी को कड़ी मेहनत और लंबा इंतजार करना पड़ता है।

एसडीओ/ओपी, सब डिवीजन, डीएचबीवीएनएल, फरुखनगर को तुरंत प्रभाव से किया गया निलंबित

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज की अनुशंसा पर दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने अवनीत भारद्वाज, एसडीओ/ओपी सब डिवीजन, डीएचबीवीएनएल, फरुखनगर, गुरुग्राम को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस संबंध में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक द्वारा आदेश जारी कर दिए गए हैं। इन आदेशों के अनुसार अवनीत भारद्वाज को एसडीओ/ओपी सब डिवीजन, डीएचबीवीएनएल, फरुखनगर के रूप में उनके गैर-प्रदर्शन और नियंत्रण की कमी के कारण डीएचबीवीएनएल कर्मचारी (दंड और अपील) विनियम-2019 के विनियमन -7 के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही के मद्देनजर तुरंत प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलम्बन के दौरान इस अधिकारी का मुख्यालय एसई/ओपी सर्कल, डीएचबीवीएनएल, हिसार के कार्यालय में निर्धारित किया गया है, जहां वे प्रत्येक कार्य दिवस पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

इसके अलावा, निलम्बन अवधि के दौरान, अवनीत भारद्वाज को हरियाणा सिविल सेवाएं (सामान्य) नियम-2016 के नियम-83 के अन्तर्गत देय निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

रा.मा.वि. नीमवाला छात्र नितिन कुमार का मिशन बुनियाद स्कीम में हुआ चयन

ग्राम सरपंच, एसएमसी प्रधान व मुख्याध्यापक ने छात्र को किया सम्मानित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। खंड राजौंद, जिला कैथल के राजकीय माध्यमिक विद्यालय नीमवाला में छात्र नितिन पुत्र संदीप कुमार प्रजापति का कक्षा नौवीं के लिए हरियाणा सरकार की योजना 'मिशन बुनियाद' में सिलेक्शन होने पर गांव व स्कूल में खुशी का माहौल है। स्कूल मुख्य अध्यापक लक्ष्मीचंद ने बताया कि गांव नीमवाला में कक्षा आठवीं तक का स्कूल है। स्कूल के छात्र नितिन कुमार ने आठवीं कक्षा के वार्षिक परिक्षा के साथ मिशन बुनियाद की तीन स्तरीय परिक्षा पास कर ली है। विद्यार्थी का सिलेक्शन कक्षा नौवीं के लिए 'मिशन बुनियाद' स्कीम में हुआ है।

मिशन बुनियाद का खंड राजौंद का सैंटर, असंध मार्ग पर स्थित शहीद सियाराम संस्कृत मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल राजौंद परिसर में है, जहां पर मिशन बुनियाद की कक्षा नौवीं के लिए ओनलाइन पढ़ाई हरियाणा सरकार व शिक्षा विभाग के निर्देशन में टीम मिशन बुनियाद द्वारा करवाई जाती है। जिसकी परिक्षा सीबीएसी बोर्ड के अन्तर्गत होती है। बताया गया कि विद्यार्थी गरीब परिवार से संबंध रखता है। लेकिन पढ़ाई में होशियार है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की योजनाएं गरीब व मध्यवर्गीय परिवारों के लिए हरियाणा सरकार व शिक्षा विभाग ने चलाई हुई है। यह योजना केवल सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए होती है। अभिभावकों को अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूल में करवाना चाहिए। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे ग्राम सरपंच राजाराम ने छात्र नीतिन कुमार व परिवार को शुभकामनाएं दी। ग्राम सरपंच ने विद्यालय के सभी बच्चों को मुक्त वर्दी देने की घोषणा की तथा विद्यालय में सौंदर्य करण के लिए मुख्य अध्यापक लक्ष्मीचंद व स्टाफ की प्रशंसा की।

ग्राम सरपंच राजाराम, मुख्य अध्यापक लक्ष्मीचंद, एसएमसी प्रधान महीपाल शर्मा व पूरे स्टाफ में छात्र व परिवार को शुभकामनाएं देते हुए छात्र व अविभावकों को सम्मानित किया। ग्राम सरपंच राजाराम ने कहा कि हरियाणा सरकार ने "मिशन बुनियाद" व "सुपर 100" योजनाएं सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को लाभ पहुंचाने के लिए चलाई हुई है। विद्यार्थियों को इनका लाभ जरूर उठाना चाहिए। उन्होंने छात्र नितिन कुमार के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

ग्राम सरपंच राजाराम ने बताया कि गांव की बेटी सुमेधा आरौही माडल स्कूल सौगरी के सरकारी स्कूल में पढ़ते हुए सुपर सौ के माध्यम से राजकीय मैडिकल कॉलेज गुजरात से एमबीबीएस कर रही है। उसी प्रकार से गांव के कई विद्यार्थी ने सुपर सौ में चयन हेतु परीक्षा दी हुई है। उन्होंने बताया कि गांव के बच्चों एवं आरोही मॉडल स्कूल सोंगरी के विद्यार्थियों आदित्य कुमार शर्मा, नव्या शर्मा का चयन भी मिशन बुनियाद में हुआ है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई व शुभकामनाएं दी है।

एसएमसी प्रधान महीपाल शर्मा ने बताया कि अब अभिभावकों का रुझान निजी स्कूलों की अपेक्षा सरकारी स्कूल की ओर हो रहा है। अभिभावकों को अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूल में करवा कर इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए।

अध्यापक अशोक शास्त्री ने बच्चों के स्वर्णिम भविष्य की कामना करते हुए बच्चे को आशीर्वाद दिया और आशा जताई भविष्य में होने वाली सुपर सौ व नीट की परीक्षा में विद्यार्थी स्कूल व अपने गांव का नाम रोशन करेगा। डीपीई रेखा मैडम ने कहा कि यह पूरे गांव के लिए गर्व की बात है। उन्होंने सभी ग्रामीणों से अनुरोध किया कि अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में दाखिल करवाए। अध्यापक वीरेंद्र रावीश ने सभी बच्चों को नितिन का अनुसरण करने की नसीहत दी। उन्होंने छात्र द्वारा किये गये कठिन परिश्रम की सरहाना की। उन्होंने नीतिन कुमार को दूसरे बच्चों के लिए एक रोल मॉडल बताया। इस अवसर पर सभी बच्चों व अभिभावकों को प्रसाद वितरित किया गया। विद्यालय के मुखिया लख्मीचंद ने कार्यक्रम में गांव से आए सभी गणमान्य व्यक्ति व अभिभावकों का धन्यवाद किया और आशा की कि भविष्य में इसी तरह से गांव का सहयोग विद्यालय को मिलता रहेगा।

इस अवसर पर ग्राम सरपंच राजाराम, मुख्य अध्यापक लक्ष्मीचंद, एसएमसी प्रधान महीपाल शर्मा, नीरज कुमार, सुशील ढुल, कुलदीप मुख्याध्यापक, मनोज मलिक, अशोक कुमार, मैडम रेखा, वीरेंद्र रावीश, छात्र के माता-पिता सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

दोहरी जंग लड़ रहा पंजाब, एक तरफ सीमाओं की रक्षा के लिए पाकिस्तान से दूसरी तरफ अपने पानी बचाने के लिए केंद्र सरकार से

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

नंगल (रूपनगर)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड द्वारा पंजाब के पानी को छीनने के मंसूबों को नाकाम कर दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब इस वक्त दोहरी जंग लड़ रहा है। एक तरफ पंजाब सीमाओं की रक्षा के लिए पाकिस्तान के खिलाफ जंग लड़ रहा है और दूसरी तरफ अपने पानी की रक्षा के लिए केंद्र और हरियाणा की सरकारों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने फिर नंगल पहुंचकर पानी को बचाने के मोर्चे की कमान खुद संभाली ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बी.बी.एम.बी. का चेयरमैन पंजाब का पानी किसी और राज्य को न दे सके। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस जो हलका विधायक भी हैं और जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल भी हाजिर थे। उन्होंने कहा कि अगर पंजाबी अपनी सीमाओं की सुरक्षा कर सकते हैं तो वे अपने पानी की रक्षा करने में भी समर्थ हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा, ह्लयह बहुत शर्मनाक बात है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार संकट के समय घटिया खेल खेल रही है जबकि ऐसे समय में मुल्क को एक-दूसरे के साथ मिलकर दुश्मन के खिलाफ लड़ना चाहिए.ह्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पूरे देश में पाकिस्तान के विरुद्ध लड़ाई की रणनीति के हिस्से के तौर पर ब्लैकआउट के लिए सायरन बजाए जा रहे हैं तो ऐसे समय में भाजपा पंजाब के साथ घटिया राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सचमुच शर्मनाक है कि भाजपा संकट की घड़ी में राज्य के हितों को नुकसान पहुंचाने के लिए मुसीबत में अवसर ढूंढ रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब कभी भी भाजपा के नापाक मंसूबों को सफल नहीं होने देगा और किसी और राज्य के साथ एक बूंद भी पानी साझा नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा और इसके सहयोगी राज्य से पानी चोरी करने के लिए उतावले हैं जबकि हरियाणा पूरे साल से 4000 क्यूसिक का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा को बताना चाहिए कि क्या पंजाब को देश की सीमाओं की रक्षा करनी चाहिए या उन्हें पानी की रक्षा करनी चाहिए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार की चौकसी के कारण बी.बी.एम.बी. और हरियाणा द्वारा पानी की चोरी को रोका गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बी.बी.एम.बी. और पानी के बंटवारे के बारे में हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। उन्होंने कहा कि पानी की रक्षा की लड़ाई राजनीतिक और कानूनी मोर्चे पर लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि बी.बी.एम.बी. चेयरमैन ने राज्य के पानी को गैर-कानूनी ढंग से लूटने की कोशिश की है जो कि बहुत ही निंदनीय है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ऐसे किसी भी कदम को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और राज्य सरकार इसका डटकर विरोध करेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि अगर राज्य देश की सीमाओं की रक्षा करने में समर्थ है, तो यह पंजाब के पानी को भी बचा सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ पंजाब की 532 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है जिसकी रक्षा के लिए पंजाबियों द्वारा महान कुर्बानियां देने का शानदार इतिहास है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाबी पाकिस्तानी फौज को मुंहतोड़ जवाब देने में सबसे आगे हैं और इसके लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बी.बी.एम.बी. असल में सतलुज और ब्यास नदियों के पानी के प्रबंधन के लिए स्थापित किया गया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि सालों से पंजाब का पानी बी.बी.एम.बी. के जरिए दूसरे राज्यों की तरफ मोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने राजनीतिक हितों के लिए इस बोर्ड का दुरुपयोग करना शुरू कर दिया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब से सलाह किए बिना आधी रात को बैठकें बुलाई जा रही हैं और दूसरे राज्यों के दबाव में पंजाब का बनता हिस्सा भी छीना जा रहा है।

बी.बी.एम.बी. को सफेद हाथी बताते हुए मुख्यमंत्री ने नया संविधान बनाकर इसके पुनर्गठन की मांग की। उन्होंने कहा कि यह मौजूदा रूप में पूरी तरह से बेकार और अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि पंजाब अब इसे कभी भी स्वीकार नहीं करेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह कितने दुख की बात है कि दूसरे राज्यों के कर्मचारियों को राज्य के खजाने से तनख्वाह दी जा रही है जबकि यह सिर्फ पंजाब के हितों को नुकसान पहुंचाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में भारतीय जनता पार्टी, हरियाणा और केंद्र की सरकारें और बी.बी.एम.बी. के जरिए पंजाब के अधिकारों को छीनने की कोशिश कर रही हैं।